



कौटिल्य एकेडमी

डेली करंट अफेयर्स (05-04-2024)

मिसाइल अग्नि-प्राइम का परीक्षण :

चर्चा में क्यों :-

- सामरिक बल कमान (एसएफसी) ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ मिलकर हाल ही में ओडिशा समुद्र तट पर डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम का परीक्षण किया।

मिसाइल की विशेषता :-

- यह अग्नि-1 मिसाइल का स्थान लेगी।
- अग्नि सीरीज की मिसाइल में से यह बेहद घातक आधुनिक और मीडियम रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल है।
- इसे अग्नि पी नाम से भी जाना जाता है।
- डीआरडीओ के सूत्रों के मुताबिक बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-प्राइम 2000 किलोमीटर तक प्रहार करने में सक्षम है।
- यह मिसाइल 3000 किलोग्राम वजन तक उच्च तीव्रता वाले विस्फोटक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।
- अग्नि 5 मिसाइल MIRV टेक्नोलोजी से लैस है।

**अग्नि
प्राइम क्यों
है खास !**

अग्नि-4 और अग्नि-5 की टेक्नोलॉजी से बनी है
स्पीड के लिए 2
स्टेज सॉलिड फ्यूल
प्रोपेलशन सिस्टम
मोबाइल लॉन्चर से भी
फायर की जा सकती है



अग्नि मिसाइल श्रृंखला :-

अग्नि-I : INDORE

- अग्नि-I का विकास 1999 में शुरू हुआ , और मिसाइल का पहला सफल परीक्षण 2003 में हुआ।
- यह एक एकल चरण , ठोस ईंधन मिसाइल है।
- यह भारी पेलोड वाली कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (एसआरबीएम) है
- रेंज : 700 किमी- 1200 किमी



अग्नि-II :-

- अग्नि-II मिसाइल के प्रोटोटाइप का पहला परीक्षण 1999 में किया गया था।
- 2010 में, परमाणु-सक्षम अग्नि-II बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण विशेष रणनीतिक कमान बल द्वारा

- यह सतह से सतह पर मार करने वाली मध्यम दूरी की परमाणु-सक्षम मिसाइल है।
- यह ठोस ईंधन वाली दो चरणों वाली बैलिस्टिक मिसाइल है।
- रेंज: 2000 किमी (पेलोड को कम करके 3000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है)।

अग्नि-III :

- इस प्रणाली का पहली बार 2007 में सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया था
- अग्नि-III एक दो-चरणीय, ठोस-प्रणोदक मिसाइल है जिसे रेल-मोबाइल मोड में तैनात किया गया है।
- यह एक इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल है।
- सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल
- रेंज : 3,500 किमी



अग्नि-IV :

- अग्नि-IV का पहली बार परीक्षण 2011 में पूर्वी राज्य ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप से किया गया था।
- अग्नि-4 एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है
- यह सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है।
- रेंज : 4,000 किमी तक

अग्नि-V :

- अग्नि-V का पहली बार परीक्षण अप्रैल 2012 में ओडिशा के तट पर व्हीलर द्वीप से किया गया था
- अग्नि-V ठोस ईंधन से चलने वाली एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) है।
- यह सतह से सतह पर मार करने वाली एक उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल है।
- रेंज : 5,000 से 5,500 किलोमीटर

अग्नि-5 की खासियत	
लंबाई	17 मीटर
चौड़ाई	2 मीटर
वजन	50 टन
रेंज	5,000 किलोमीटर
टाइप	इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM)
डिजाइनर	DRDO
वॉरहेड कैपेसिटी	1.5 टन
मैक्सिमम स्पीड	29 हजार kmph

क्या है MIRV टेक्नोलोजी :-

- **MIRV (Multiple Independently Targetable Re-entry Vehicle)** एक ही मिसाइल से सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है।
- परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम इस अग्नि की मारक क्षमता 5,000 किमी से अधिक है, जो इसे लंबी दूरी की मिसाइल बनाती है और इसका उद्देश्य मुख्य रूप से चीन की चुनौती को विफल करना है।
- इन मिसाइलों को जमीन से या समुद्र से पनडुब्बी से लॉन्च किया जा सकता है।

- अब तक, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के पास MIRV मिसाइलें हैं।

मिसाइल	रेंज (किलोमीटर में)	पहला टेस्ट
अग्नि 1	700	22 मई 1989
अग्नि 2	2,000	11 अप्रैल 1999
अग्नि 3	3,000	9 जुलाई 2006
अग्नि 4	4,000	10 दिसंबर 2010
अग्नि 5	5,000	19 अप्रैल 2012

पेप्सिको इंडिया का फ्लेवर प्लांट :

- पेप्सिको इंडिया देश में अपनी विस्तार योजना के तहत मध्य प्रदेश के उज्जैन में फ्लेवर विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए 1,266 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।
- 22 एकड़ में फैला यह संयंत्र भारत में पेप्सिको के पेय उत्पादन को बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- यह पेप्सिको इंडिया की देश में दूसरी फ्लेवर विनिर्माण सुविधा होगी, जिसमें पहली पंजाब के चन्नो में स्थित है।
- उज्जैन संयंत्र का निर्माण 2024 में शुरू होने वाला है।



पेप्सिको के बारे में :-

- स्थापना : 1898
- मुख्यालय : हैरिसन, न्यूयॉर्क
- सीईओ : रेमन लैगुआर्टा

गुजरात के कच्छ में 5,200 साल पुरानी हड़प्पा बस्ती :

- गुजरात के कच्छ में पुरातात्विक उत्खनन से 5,200 साल पुरानी हड़प्पा बस्ती का पता चला है।
- केरल विश्वविद्यालय के पुरातत्वविदों को कच्छ जिले के खटिया गांव के पास, लगभग 1.5 किमी दूर, पडता बेट में 5,200 साल पुरानी हड़प्पा बस्ती से अधिक महत्वपूर्ण निष्कर्ष मिले हैं।

खोज से संबंधित प्रमुख बिंदु :-

- इस खोज में टेराकोटा मिट्टी के बर्तन मिले हैं।
- इस खोज में एक गोलाकार संरचना के अवशेष और विभिन्न आकार की अन्य आयताकार संरचनाओं के अवशेष मिले हैं।
- यह अवशेष स्थानीय रूप से उपलब्ध बलुआ पत्थर और शैलों से बने हैं।
- यहाँ से प्राप्त अवशेष टेराकोटा चीनी मिट्टी के बर्तन, कलाकृतियां और जानवरों की हड्डियाँ हैं।
- इन मिट्टी के बर्तनों में बड़े भंडारण जार से लेकर छोटे कटोरे और बर्तन शामिल हैं।
- यह अवशेष प्रारंभिक हड़प्पा काल लगभग 3200 ईसा पूर्व से लेकर उत्तर हड़प्पा काल 1700 ईसा पूर्व तक के हैं।
- यह स्थल पडता बेट की पहाड़ की चोटी पर स्थित है।



सिन्धु घटी सभ्यता :-

- सिन्धु घाटी सभ्यता को हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है
- इस सभ्यता की खोज रायबहादुर दयाराम साहनी ने वर्ष 1921 में की।
- इस सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2350 ई० पू० से 1750 ई० तक मानी गयी है।
- इस सभ्यता को आद्यऐतिहासिक (Protohistoric) अथवा कांस्य (Bronze) युग में रखा गया है।
- यह एक नगरीय सभ्यता थी।
- इस सभ्यता का भारत में विस्तार पश्चिमी में सुतकागेंडोर (बलूचिस्तान), पूर्व में आलमगीरपुर (जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश), उत्तर में माँदा (जिला अखनूर जम्मू-कश्मीर) तथा दक्षिणी में दाइमाबाद (जिला अहमद नगर, महाराष्ट्र) तक था।
- इस सभ्यता के 6 को ही बड़े नगर :- मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, गणवारीवाला, धौलावीरा, राखीगढ़ी एवं कालीबंगन हैं।
- हड़प्पा संस्कृति के सर्वाधिक स्थल गुजरात में खोजे गए।

'MyCGHS ऐप' :

- हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने MyCGHS IOS App ऐप किया लॉन्च।
- ऐप को केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) लाभार्थियों के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड, सूचना और संसाधनों तक पहुंच बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

MyCGHS ऐप :-

- MyCGHS iOS ऐप को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) हिमाचल प्रदेश और एनआईसी स्वास्थ्य टीम की तकनीकी टीमों द्वारा विकसित किया गया है।
- यह एक सुविधाजनक मोबाइल एप्लिकेशन है जो सीजीएचएस लाभार्थियों के लिए जानकारी और पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से सुविधाएँ प्रदान करता है।
- MyCGHS ऐप सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करता है, जिसमें ऑनलाइन नियुक्तियों की बुकिंग और रद्द करना, सीजीएचएस कार्ड और इंडेक्स कार्ड डाउनलोड करना, सीजीएचएस प्रयोगशालाओं से प्रयोगशाला रिपोर्ट तक पहुंच, दवा के इतिहास की जांच करना, चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावे की स्थिति की जांच करना, रेफरल विवरण तक पहुंच, नजदीकी कल्याण केंद्रों का पता लगाना शामिल है।
- ऐप में उपयोगकर्ताओं के डेटा की गोपनीयता और अखंडता सुनिश्चित करने के लिए 2-कारक प्रमाणीकरण और एमपिन की कार्यक्षमता जैसी सुरक्षा विशेषताएं हैं।



INDORE